भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

मत्स्यपालन विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 2682

दिनांक 09 जुलाई, 2019 के लिए प्रश्न

विषय: मत्स्यपालन के लिए वित्त निधिकरण

2682. श्री जसवंतसिंह सुमनभाई भाभोरः

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान गुजरात में मत्स्यपालन के लिए कितनी निधि का आवंटन किया गया है और इसमें से कितनी निधि का उपयोग किया गया है;

(ख) मत्स्यपालन योजना के अंतर्गत मछुआरों को क्या सुविधाएं प्रदान की जाती हैं; और

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान गुजरात में रोजगार सृजन और मत्स्य उत्पादन के क्षेत्र में कितना विकास हुआ है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री

(श्री प्रताप चन्द्र सारंगी)

(क) मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने केंद्रीय प्रायोजित योजना (सी. एस. एस.) - नीली क्रांति : मात्स्यिकी के एकीकृत विकास तथा प्रबंधन के अंतर्गत विगत तीन वर्षों के दौरान गुजरात सरकार को राज्य में मात्स्यिकी तथा जलकृषि के विकास के लिए 33.55 करोड़ रुपए प्रदान किए हैं । उक्त अवधि के दौरान गुजरात सरकार ने 3.61 करोड़ रुपए खर्च किए। केंद्रीय प्रायोजित योजना (सी. एस. एस.) के अंतर्गत राज्य सरकारों/केंद्र शासित प्रदेशों को, उनके द्वारा भेजे गए विस्तृत प्रस्तावों के आधार पर केंद्रीय फंड जारी किए गए ।

(ख)तथा(ग) केंद्रीय प्रायोजित योजना (सी. सी. एस.) के तहत मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, राज्य सरकारों/केंद्र शासित प्रदेशों के मछुआरों को पारंपरिक नौकाओं के मोटरीकरण, फाइबर रिन्फोर्सड प्लास्टिक(एफ.आर.पी) नावों की खरीद, लकड़ी/पारंपरिक नावों को बदलने, बचाव-सह-राहत (अंतर्देशीय तथा समुद्री मछुआरे, दोनों के लिए), खुले समुद्र में केज कल्चर, समुद्री-शैवाल (सीवीड) का पालन, समुद्री जल में बाईवाल्व कल्चर तथा पर्लकल्चर के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है । मछली के चारे के लिए कारख़ाने की स्थापना, पैदावार के बाद आधारिक संरचना(इन्फ्रास्ट्रक्चर) का विकास जैसे- हिम संयंत्र(आइस प्लांट), शीतागार(कोल्ड स्टोरेज), हिम संयंत्र(आइस प्लांट)-सह-शीतागार(कोल्ड स्टोरेज), फिश हार्बर और फिश लैंडिंग सेंटर के विकास तथा जलकृषि संबंधी क्रियाकलापों

के लिए भी केंद्रीय प्रायोजित योजना (सी. एस. एस.) वित्तीय सहायता प्रदान करती है । मछुआरों, मछली कृषकों तथा इस क्षेत्र में लगे कामगारों के लिए लाभदायक रोजगार के अवसर की सुविधा मुहैया करवाना भी इस योजना का लक्ष्य है । गुजरात सरकार ने यह सूचित किया है कि खारे पानी में जलकृषि (ब्रेकीस वाटर अक्वाकल्चर) के लिए 259 लाभार्थियों को 1180 हेक्टेयर जल क्षेत्र आवंटित किए गए तथा विगत तीन वर्षों के दौरान एक झींगा हैचरी तथा दो मछली के चारे के कारखाने की स्थापना की गई है । आगे, राज्य सरकार ने सूचना दी है कि राज्य में मछली चारे के उत्पादन में 1,915 लाभार्थी तथा मात्स्यिकी से संबन्धित क्रियाकलापों में 2.13 लाख सक्रिय मछुआरे लगे हुए हैं । विगत तीन वर्षों के दौरान गुजरात में हुए मछली उत्पादन का विवरण नीचे दर्शाया गया है।

क्रम संख्या	**वर्ष**	**प्रतिवेदित मछली उत्पादन (मात्रा- लाख मीट्रिक टन में)**
1	2016-17	8.156
2	2017-18	8.345
3	2018-19	7.247

****